जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 | वर्षः 50 | संख्याः 263 | प्रभात | कोटा, सोमवार 7 जुलाई, 2025 | कोटा/24/2012-14 | पृष्ठ 6 | मूल्य 2.50 रु.

अरबपति एलन मस्क ने अमेरिका में नई पार्टी बनाई

उन्होंने कहा कि नई पार्टी का मकसद अमेरिका में दो दलीय राजनीति को चुनौती देना है

लॉस एंजिल्स, 06 जुलाई। मशहूर अरबपति एलन मस्क ने अपनी राजनीतिक पार्टी बनाने की घोषणा की है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप से विवाद के कुछ हफ़्तों बाद एलन मस्क ने यह घोषणा की है।

एलन मस्क ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर बताया कि उन्होंने "अमेरिका पार्टी" बनाई है। इसका मकसद अमेरिका में रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक पार्टियों की दो-दलीय राजनीति को चुनौती देना होगा।

एलन मस्क ने कहा, अमेरिका पार्टी आपको आपकी स्वतंत्रता वापस दिलाने के लिए बनाई गई है। सप्ताह की शुरुआत में एलन मस्क ने एक ऑनलाइन सर्वेक्षण किया था जिसमें लोगों ने जबर्दस्त भागीदारी करते हुए एक नई राजनीतिक ताकत के लिए मजबूत समर्थन दिखाया था।

एलन मस्क ने शुक्रवार चार जुलाई को इस सर्वेक्षण की घोषणा करते हुए लिखा, स्वतंत्रता दिवस यह पूछने का सही समय है कि क्या आप दो- दलीय प्रणाली से स्वतंत्रता चाहते हैं। लगभग 12 लाख उत्तरदाताओं में से 65 प्रतिशत से अधिक ने इस विचार का समर्थन किया।

- मस्क ने कहा कि एक ऑनलाइन सर्वेक्षण में 12 लाख उत्तरदाताओं में से 65 प्रतिशत ने कहा था कि वे दो-दलीय प्रणाली से स्वतंत्रता चाहते हैं।
- एलन मस्क ने कहा कि उनकी "अमेरिका पार्टी" प्रारंभ में दो या तीन सीनेट सीटों व 8 से 10 गृह जिलों पर ध्यान केन्द्रित करेगी।

मस्क ने शनिवार को इसके परिणामों पर प्रतिक्रिया देते हुए, लिखा आप एक नई राजनीतिक पार्टी चाहते हैं और आपको यह मिल जाएगी! जब हमारे देश को बर्बादी और भ्रष्टाचार से दिवालिया बनाने की बात आती है, तो हम एक-पक्षीय प्रणाली में रहते हैं, लोकतंत्र में नहीं।

एलन मस्क ने कहा कि अमेरिका पार्टी दो या तीन सीनेट सीटों और आठ से 10 गृह जिलों पर ध्यान केंद्रित करेगी। इस रणनीति का मकसद कांग्रेस में नियंत्रण हासिल करना है। हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि क्या इसे चुनाव आयोग में औपचारिक तौर पर पंजीकृत कराया गया है और फिलहाल इसकी कमान किसके हाथों में रहेगी।

इस बीच चुनाव-कानून विशेषज्ञों ने नई पार्टियों की राह में आने वाली अड़चनों का भी जिक्र किया है। कैलिफ़ोर्निया में, आयोजकों को या तो लगभग 75,000 सदस्यों को पंजीकृत करना होगा या मतपत्रों पर अपनी पार्टी की उपस्थिति के लिए 11 लाख लोगों के हस्ताक्षर युक्त समर्थन पत्र को दर्शाना होगा।

राजनीतिक रणनीतिकारों का सुझाव है कि मस्क की इस घोषणा का उद्देश्य राजनीति में एक टिकाऊ तीसरे विकल्प का निर्माण करने की बजाए सांसदों पर दबाव डालना अधिक प्रतीत होता है। यह कदम राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प के वन बिग ब्यूटीफुल बिल के पारित होने के बाद उठाया गया है, जिसमें इलेक्ट्रिक वाहन प्रोत्साहन में कटौती की गई है और संघीय खर्च में वृद्धि की गई है। इन उपायों का विरोध एलन मस्क की टेसला कंपनी ने किया है क्योंकि टेस्ला इलैक्ट्रिक व्हीकल सब्सिडी से लाभ उठाती रही है।

विश्लेषकों का कहना है कि मस्क का यह कदम अमेरिकी राजनीतिक व्यवस्था में बड़े बदलाव के बजाए एक सोची समझी रणनीति के तहत सौदेबाजी अधिक दिखाई पड़ता है।

मोदी ने दलाई लामा को जन्म दिन की शुभकामनाएं दीं

नयी दिल्ली, 06 जुलाई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज तिब्बती आध्यात्मिक धर्म गुरू दलाई को उनके 90वें जन्मदिन के अवसर पर शुभकामनाएं दीं।

मोदी ने कहा कि आध्यात्मिक धर्म गुरू दलाई लामा प्रेम,करुणा,धैर्य और नैतिक अनुशासन के चिरस्थायी प्रतीक हैं। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि उनके संदेश ने सभी धर्मों के लोगों में सम्मान और प्रशंसा की भावना पैदा की है।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर अपने संदेश में कहा, "मैं 1.4 अरब भारतीयों के साथ मिलकर परम श्रद्धेय दलाई लामा को उनके 90वें जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। वे प्रेम, करुणा, धैर्य और नैतिक अनुशासन के चिरस्थायी प्रतीक रहे हैं। उनके संदेश ने सभी धर्मों के लोगों में सम्मान और प्रशंसा की भावना पैदा की है। हम उनके अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु होने की कामना करते हैं।

- प्रधानमंत्री ने कहा कि दलाई लामा प्रेम, करुणा, धैर्य व नैतिक अनुशासन के चिरस्थाई प्रतीक रहे हैं।

गौरतलब है कि दलाई लामा का जन्म 6 जुलाई, 1935 को पूर्वोत्तर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आरजेडी ने बिहार वोटर लिस्ट रिविज़न को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी

विपक्ष के महागठबंधन ने इस मामले में 9 जुलाई को बिहार में चक्काजाम का एलान किया

पटना, 06 जुलाई। बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची के स्पैशल इन्टैन्सिव रिविज़न (एसआईआर) को लेकर जमकर विवाद हो रहा है। विपक्ष चुनाव आयोग पर और इस प्रक्रिया की टाइमिंग पर सवाल खड़े कर रहा है। महागठबंधन ने इस मामले को लेकर 9 जुलाई को चक्का जाम का ऐलान भी किया है।

हालांकि चुनाव आयोग का कहना है कि यह प्रक्रिया पारदर्शिता के लिए जरूरी है।

दूसरी ओर अब यह मामला सुप्रीम कोर्ट भी पहुंच चुका है।

आरजेडी सांसद डॉ. मनोज झा ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने चुनाव आयोग के इस कदम को चुनौती दी है और चुनाव आयोग के फैसले पर रोक लगाने की मांग की है।

- सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिकाओं में कहा गया है कि चुनाव आयोग के फैसले के चलते बिहार के लाखों लोगों का मतदान का अधिकार छिन जायेगा।

इससे पहले एसोसिएशन फ़ॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) और टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा भी चुनाव आयोग के इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे चुके हैं।

इन याचिकाओं मे कहा गया है चुनाव आयोग का यह फैसला मनमाना है और इसके चलते बिहार के लाखों मतदाताओं का मतदान का अधिकार छीन जाएगा।

बिहार में इसी साल चुनाव होना है। बीते 24 जून को चुनाव आयोग ने बिहार में वोटर लिस्ट के एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिविज़न) की घोषणा की थी। आयोग के इस फैसले पर कई विपक्षी दल के नेता भी अपनी नाराजगी जाहिर कर चुके हैं

इस मामले में चुनाव सुधारों पर नजर रखने वाली संस्था एडीआर ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। संस्था का कहना है कि, चुनाव आयोग की यह नीति संविधान के खिलाफ है। इससे वो लोग जो गरीब हैं, जिनके पास दस्तावेज नहीं हैं, उन्हें वोट देने के अधिकार से वंचित किया जा सकता है।

दिल्ली के कैब ड्राइवरों का सीरियल किलर 24 साल बाद गिरफ्तार

सीरियल किलर अजय लाम्बा 10 साल नेपाल में छुपा रहा था

नई दिल्ली, 06 जुलाई। दिल्ली पुलिस की आर के पुरम क्राइम ब्रांच टीम ने एक सीरियल किलर को गिरफ्तार किया है। यह सीरियल किलर अपने तीन साथियों के साथ मिलकर कैब ड्राइवरों की हत्या कर लाश खाई में फेंक देता था। इस सीरियल किलर की चार हत्याओं का खुलासा हुआ है। सभी कैब ड्राइवर थे और सभी को मारकर उनकी कैब नेपाल में बेच दी गई थी। पुलिस को शक है कि कैब ड्राइवरों के लापता होने के जो दर्जनों मामले दिल्ली में दर्ज हैं, उनमें से कई की हत्या कर दी गई है जिसमें इस गिरोह का हाथ है।

- सीरियल किलर गैंग किराये पर कैब बुक करके उत्तराखंड की पहाड़ियों में ड्राइवर की हत्या कर गहरी खाई में फेंकता था और कैब को नेपाल में बेच देता था।

बताया गया है कि सीरियल किलर और उसके तीन साथी किराए पर कैब बुक करते थे फिर उत्तराखंड की पहाड़ियों में कैब ड्राइवर को पहले बेहोश करते थे फिर उसका गला दबाकर हत्या कर देते थे। इसके बाद लाश को उत्तराखंड के पहाड़ों से गहरी खाई में फेंक देते थे। कैब ड्राइवर्स की हत्या के बाद चारों सीरियल किलर कैब को नेपाल में बेच देते थे। हालांकि, पुलिस ने केवल एक ही कैब ड्राइवर का शव बरामद किया था, तीन कैब ड्राइवर के शव तक नहीं मिले। आरोपियों ने बताया है कि वे अल्मोड़ा, हल्द्वानी, उधमसिंह नगर में कैब ड्राइवर्स की लाश ठिकाने लगाते थे।

सीरियल किलर्स का ये गैंग 2001 में दिल्ली और उत्तराखंड में एक्टिव था, जिसका मास्टरमाइंड दिल्ली के इंडिया गेट से गिरफ्तार हुआ है। इंडिया गेट से गिरफ्तार हुए सीरियल किलर का नाम अजय लांबा है। वह नेपाल में 10 साल छुपा रहा और नेपाल मूल की लड़की से शादी भी कर ली। इस गिरोह का एक सदस्य पहले ही पकड़ा जा चुका है। हालांकि, एक सदस्य अभी भी फरार है।

अजय लांबा दिल्ली में ड्रग्स के एक मामले में और उड़ीसा में एक बड़ी डकैती के केस में पहले ही जेल जा चुका है। अजय का एक साथी धीरज अभी भी फरार है। धीरेंद्र दिलीप पांडे नाम का आरोपी पहले ही गिरफ्तार हो चुका है। धीरेंद्र को कैब ड्राइवर्स की हत्या के मामले में ही गिरफ्तार किया गया था। अब पुलिस धीरेंद्र और अजय को साथ बैठाकर पूछताछ कर सकती है। इस दौरान कई खुलासे हो सकते हैं।

ब्राजील में मोदी का भव्य स्वागत हुआ

रियो डी जेनेरियो/ नयी दिल्ली, 06 जुलाई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पांच देशों की यात्रा के चौथे चरण में शनिवार देर रात अर्जेन्टीना से ब्राजील पहुंचे, जहां वे ब्रिक्स सम्मेलन में हिस्सा लेंगे।

रियो डी जनेरो हवाई अड्डे पर मोदी का पारंपरिक स्वागत किया गया। भारतीय समुदाय के लोगों ने भी प्रधानमंत्री का अभिनंदन किया।

मोदी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, ब्राज़ील के रियो डी जनेरो में उतरा, जहां मैं ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लूंगा और बाद में राष्ट्रपति लुईज़ इनासियो लूला दा सिल्वा के निमंत्रण पर राजकीय यात्रा के लिए उनकी राजधानी ब्रासीलिया जाऊंगा। इस यात्रा के दौरान बैठकों और बातचीत के सार्थक दौर की उम्मीद है। भारतीय समुदाय के शानदार स्वागत से अभिभूत प्रधानमंत्री ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा , ब्राज़ील के भारतीय समुदाय के सदस्यों ने रियो डी जनेरो में बहुत ही शानदार स्वागत किया। यह आश्चर्यजनक है कि वे भारतीय संस्कृति से कैसे जुड़े हुए हैं और भारत के विकास के लिए कितने लालायित हैं! मोदी ने अपनी पोस्ट में उनके सम्मान में आयोजित स्वागत समारोह की कुछ झलकियाँ भी साझा की हैं।

- ब्रिक्स सम्मेलन में भाग लेने रियो डी जेनेरो पहुंचने पर भारतीय समुदाय के लोगों ने उनका शानदार स्वागत किया।

म्यांमार से हथियारों की तस्करी की बड़ी साजिश का खुलासा

प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन के कुछ सदस्य म्यांमार से हथियार मंगवाकर देश भर में सप्लाई करते थे

इंफाल / नई दिल्ली, 06 जुलाई। मणिपुर में सुरक्षा एजेंसियों ने म्यांमार से हथियारों की तस्करी से जुड़ी एक बड़ी साजिश का भंडाफोड़ किया है, जिसका असर पूरे देश में हो सकता है। जांच एक ऐसे मामले पर केंद्रित है जिसमें प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (यूएनएलएफ-पी) के कुछ सदस्यों पर म्यांमार से हथियार मंगवाकर उन्हें देश के अलग-अलग हिस्सों में बेचने का आरोप है।

इस मामले में पुलिस ने बीते जून के आखिरी हफ्ते में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें सबसे अहम नाम सिनम सोमेन्द्रो मैतेई उर्फ रिचर्ड का है, जो खुद को यूएनएलएफ-पी का लेफ्टिनेंट कर्नल और प्रोजेक्ट सेक्रेटरी बताता है। रिचर्ड की गिरफ्तारी इस संगठन की शांति प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़े कर रही है।

- अधिकारियों के अनुसार मणिपुर की ढीली सीमा का फायदा उठाकर हथियार लाये जाते थे। फर्जी दस्तावेजों और कुछ रजिस्टर्ड गन हाउसों की मदद से देश के विभिन्न भागों में बेचा जाता था।

यूएनएलएफ-पी ने नवंबर 2023 में सरकार से संघर्षविराम समझौता किया था। लेकिन इसके बाद से न तो संगठन ने अपने हथियार जमा किए हैं, न ही अपने सदस्यों की सूची दी है। इसके विपरीत कुछ सदस्य अब भी उगाही और अवैध गतिविधियों में लिप्त पाए जा रहे हैं।

24 जून को इंफाल क्षेत्र में हथियारों की तस्करी से जुड़े एक गिरोह की जानकारी मिली। इसके आधार पर लोंचनबा नोंगथोंबम नामक गन हाउस के मालिक को हिरासत में लिया गया। उससे मिली जानकारी से रिचर्ड की भूमिका उजागर हुई।

अधिकारियों के अनुसार, हथियार म्यांमार से भारत लाए जा रहे थे, खासकर मणिपुर की ढीली सीमा का फायदा उठाकर। फिर इन्हें फर्जी दस्तावेजों और कुछ रजिस्टर्ड गन हाउसों की मदद से भारत के अलग-अलग हिस्सों में बेचा जा रहा था। एक ऐसा मामला पंजाब में भी पकड़ा गया है। जांच देश के अन्य हिस्सों में भी की जा रही है।

रिचर्ड के घर छापेमारी में चार अमेरिकी हथियार, एक ऑस्ट्रियाई रिवॉल्वर, एक भारतीय पिस्तौल, कई गोलियां, वायरलेस सेट और महंगे मोबाइल फोन बरामद किए गए।

अवैध बंगलादेशियों को वापस भेजने के लिये त्रिपुरा से दिल्ली पैदल मार्च

अगरतला, 06 जुलाई। त्रिपुरा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार पर तीखा हमला करते हुए सरकार की सहयोगी पार्टी टीआईपीआरए मोथा, ने 1971 के बाद यहां आकर "जाली" दस्तावेजों के साथ यहां रह रहे अवैध बंगलादेशी नागरिकों को तत्काल वापस भेजने की मांग को लेकर दिल्ली तक पैदल मार्च शुरू किया है। टीआईपीआरए मोथा नेताओं के एक समूह ने शहर के उत्तरी द्वार से अपना मार्च शुरू किया जो दिल्ली के जंतर मंतर पर समाप्त होगा। टीआईपीआरए मोथा को उम्मीद है कि इस मार्च के जरिये जनता को जागरूक किया जा सकेगा। यह मार्च कई राज्यों और शहरों से गुजरेगा और अवैध बंगलादेशी घुसपैठियों के प्रति लोगों को जागरूक करेगा।

- मार्च का नेतृत्व कर रहे डेविड मुरासिंह ने कहा कि बंगलादेशी घुसपैठ अंतर्राष्ट्रीय समस्या है।

दल का नेतृत्व कर रहे टीआईपीआरए मोथा नेता डेविड मुरासिंह ने कहा, बंगलादेशी घुसपैठ एक अंतरराष्ट्रीय समस्या है। इसे हल करने में त्रिपुरा सरकार की भूमिका प्रभावी नहीं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कटरा में हेलिकॉप्टर सेवा तीसरे दिन भी स्थगित रही

जम्मू, 06 जुलाई। घने कोहरे और खराब मौसम होने के कारण जम्मू के पास त्रिकुटा पहाड़ियों में स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर के तीर्थयात्रियों के लिए संचालित हेलिकॉप्टर सेवा रविवार को लगातार तीसरे दिन स्थगित रही।

माता वैष्णो देवी के दर्शन के इच्छुक श्रद्धालु जम्मू के पास कटरा कस्बे से सांझी छत तक हेलिकॉप्टर से सफर करते हैं। एक अधिकारी ने बताया, रियासी जिले के इस तीर्थ स्थल में मौसम खराब और घना कोहरा होने के कारण कटरा से सांझी छत तक की हेलिकॉप्टर सेवा तीसरे दिन भी स्थगित रही। उन्होंने कहा कि तीर्थयात्री पैदल और पिट्ठू, पालकी तथा टट्टू सेवाओं के जरिए भवन तक पहुंच रहे हैं।

- वैष्णो देवी मंदिर के लिये संचालित हेलिकॉप्टर सेवा घने कोहरे और खराब मौसम के कारण स्थगित की गई।

उन्होंने कहा कि मौसम में सुधार होने के बाद ही हेलिकॉप्टर सेवा फिर से शुरू की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि तीर्थयात्रियों का मार्गदर्शन करने और किसी भी आपातकालीन स्थिति में सहायता प्रदान करने के लिए श्राइन बोर्ड के कर्मचारियों को भी मार्ग पर तैनात किया गया है।

वर्तमान में, 12,000 से 15,000 तीर्थयात्री प्रतिदिन कटरा बेस कैम्प में भवन तक पहुंचने और पवित्र मंदिर में पूजा करने के लिए पहुंच रहे हैं।

नवम्बर 24 में रिटायर हुए मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने अधिकारिक बंगला खाली नहीं किया

सुप्रीम कोर्ट प्रशासन ने केन्द्र सरकार को पत्र लिख कर बंगला खाली कराने का आग्रह किया

नई दिल्ली, 6 जुलाई। पूर्व मुख्य न्यायाधीश डी. वाय. चंद्रचूड़ का सरकारी बंगले में ज्यादा दिन तक रुकना अब विवाद का कारण बन गया है। सुप्रीम कोर्ट प्रशासन ने केंद्र सरकार को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि 5, कृष्णा मेनन मार्ग स्थित बंगला तुरंत खाली करवाया जाए। यह बंगला देश के मुख्य न्यायाधीश का आधिकारिक निवास है। चंद्रचूड़ नवंबर 2024 में रिटायर हुए थे, लेकिन अब तक वहीं रह रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने एक जुलाई को केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय को पत्र लिखकर कहा है कि देश के पूर्व मुख्य न्यायधीश चंद्रचूड़ तय समय से ज्यादा दिन बंगले में रह रहे हैं। नियम के मुताबिक रिटायरमेंट के बाद पूर्व मुख्य न्यायधीश छह महीने तक टाइप-सात बंगले में रह सकते हैं। लेकिन चंद्रचूड़ टाइप-आठ बंगले में आठ महीने से रह रहे हैं, जो नियमों का उल्लंघन है।

इस मुद्दे पर चंद्रचूड़ ने कहा कि यह देरी उनके पारिवारिक कारणों की वजह से हुई। उन्होंने बताया कि उनकी दो बेटियों को विशेष देखभाल की जरूरत है और उनके लिए उपयुक्त घर ढूंढना आसान नहीं था। सरकार ने उन्हें किराए पर दूसरा घर दिया है, जिसकी मरम्मत चल रही है। मरम्मत पूरी होते ही वह शिफ्ट हो जाएंगे।

- पूर्व मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने कहा कि उनकी दो बेटियों को विशेष देखभाल की जरूरत है। सरकार ने किराये पर दूसरा मकान दिया है, जिसकी मरम्मत चल रही है। मरम्मत पूरी होते ही शिफ्ट हो जाऊंगा।

दिलचस्प बात यह है कि चंद्रचूड़ के रिटायरमेंट के बाद दो मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना और वर्तमान मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने कृष्णा मेनन मार्ग स्थित बंगला लेने से इन्कार कर दिया। दोनों ने अपने पुराने आवास में ही रहना पसंद किया। इसी वजह से चंद्रचूड़ को बंगले में अतिरिक्त समय मिलने में आसानी हुई।

सुप्रीम कोर्ट की तरफ से चंद्रचूड़ को पहले ही अप्रैल 2025 तक बंगला रखने की अनुमति दी गई थी। बाद में मई 2025 तक मौखिक रूप से मोहलत भी मिली। लेकिन अब वह समय भी बीत चुका है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया है कि अब और इंतजार नहीं किया जा सकता क्योंकि कई जजों को आवास की जरूरत है।

चंद्रचूड़ ने कहा कि उन्हें पूरी तरह से अपनी जिम्मेदारियों का एहसास है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह कुछ ही दिनों में बंगला छोड़ देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि इससे पहले कई पूर्व मुख्य न्यायाधीशों को भी परिस्थितियों को देखते हुए अतिरिक्त समय दिया गया है। वह यह मुद्दा सुप्रीम कोर्ट प्रशासन के साथ पहले ही साझा कर चुके हैं।

यह मामला इसलिए भी चर्चा में है क्योंकि सुप्रीम कोर्ट के इतिहास में ऐसा कम ही देखा गया है जब अदालत को अपने आधिकारिक निवास को खाली कराने के लिए केंद्र सरकार को लिखित रूप से कहना पड़े। आमतौर पर ऐसे मामलों में अंदरखाने समाधान निकाल लिया जाता है। लेकिन मौजूदा हालात में अदालत को सख्त कदम उठाना पड़ा, जिससे यह मामला और ज्यादा सुर्खियों में आ गया है।

कैलाश मानसरोवर यात्रियों का पहला जत्था गुंजी बेस कैंप पहुँचा

नैनीताल, 06 जून। कैलाश मानसरोवर यात्रियों का पहला जत्था रविवार को सकुशल सीमांत गुंजी पहुंच गया है।

पिथौरागढ़ के धारचूला के उप जिलाधिकारी जितेन्द्र वर्मा ने कहा कि यह जत्था आज धारचूला से चल कर पहले आधार शिविर गुंजी पहुंच गया है। गुंजी में श्रद्धालुओं का पारंपरिक रूप से स्वागत किया गया।

उन्होंने बताया कि आज सुबह धारचूला तवाघाट मार्ग पर भारी भूस्खलन के कारण कैलाश मानसरोवर यात्रा मार्ग बाधित हो गया था। भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) और जिला प्रशासन की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और दोपहर तक मार्ग को पूरी तरह से चालू कर दिया गया इससे कैलाश यात्रियों को कोई दिक्कत का सामना नहीं करना पड़ा।

- गुंजी में श्रद्धालुओं का पारंपरिक रुप से स्वागत किया गया।

वहीं दूसरी ओर कैलाश यात्रियों का जत्था आज धारचूला में रंग संग्रहालय पहुंचने पर रंग महिलाओं ने पारम्परिक वेशभूषा में स्वागत किया। कैलाश यात्रियों को रं संस्कृति की जानकारी दी। कैलाश यात्रियों के दल ने रंग संग्रहालय को 10,000 की राशि भेंट स्वरूप दी।